‘शुभ आखाइन (झारखण्डी नववर्ष)”

टुसु सेमिनार - खेलाई चण्डी मेला

एँक डाली कुड़माली कविता

“बिहान”

सिरजईया :— पि० पी० केसरिआर
(एम० ए० कुड़माली)
श्रीमती करुणामयी केसरिआर
(एम० ए० कुड़माली)

बड़ा जमुआँ लोक संस्कृति आखड़ा
धनबाद, (झारखण्ड) 826004

(चुमान पाँच टाका)

संजुआनी

धन्नि बिनोद बाबु जेइँ 1982 साले झाड़खण्डेक एक कार्यकर्त्ता सम्मेलन लें मके आनरहई आर मंदाकिनी उच्च विद्यालये रहे कहरहई जाकर खातिर माँई भाखि कुड़माली पड़ेलाई सुयोग पाउलिअ आर राँची विश्वविद्यालय लें एम० ए० पड़लिअ :-

आगुवाटे जेसन वाकि दिन अकरे डहरे चले पारिअ ।

BVP-1865
4/1/18
ENJ-4555
6/9.

नेहरे :-
पि० पी० केसरिआर

बाकर ठेहर बुइध भरसां छापलँ पँथि
अखरा हामर हियाँई रहला गाँथि ।

सुरेश, सुधीर, हराधन,

पहिल खेजा :- आखाईन - 2001

टुसु तत्व

झाड़खण्ड मुलके टुसु "लक्ष्मी स्वरुपा" माना जाता है। धान काटनी खतम होने के बाद आघन संक्रान्ति के दिन डिनी ठाकराईन के रुप में टुसु को (पाता) प्रतिस्ठा किया जाता है।

बास्तब में टुसु सृजन शक्ति के प्रानवन्त रुप है जो शक्ति सुर्य से प्राप्त है। प्रकृति के रुपान्तर में बीज से अंकुर, अंकुर से फसल, फसल से खाद्य। जिसमें हमलोग का जीवनी शक्ति मिलती है। कृषक सम्प्रदाय का ऐसा भावना है सृजन शीलता क्षमता रस शक्ति में समन्नित है। इसलिए ढुसु का प्रतीक स्वरुप चौड़ल या रथ बनाकर विसर्जन किथा जाता है। चौड़ल का चार चुड़ा क्षिति, अप, मरूत, वोम चार भुत का माना जाता है। मध्य में तेज शक्ति अर्थात सुयं का आकृति घटिफुल, चक्राकार समन्वित प्रान स्वरुप कहा जाता है।

कृषक का विश्वास है इस शक्ति का पूजा अपना सन्तुष्ठ होने पर लक्ष्मी पुर्ण या धनपुर्ण होता है। झाड़खण्डी समाज इस देवी को कन्यारुप में लाड़ प्यार आदर और विदाई करते है। टुसु को देवी शक्ति मानने पर भी घर का बेटि ज्यादा समझते है। इसलिये टुसु देवी नहि बोलकर "टुसुमनि" कहते है। जिस तरह आर्यसस्कृति में दुर्गा देवी के स्थान पर मा दुर्गा या दुर्गा मा कहा जाता है।

सृष्टि के आदि काल से जब धातु का आविष्कार नहीं था तबसे वहाँ मानव समाज, प्रकृति को अर्थात पेड़, पत्थर, जल सुयं का प्रतीक मरामशान जाहिरथान, बुड़ाबाबाक थान, मारांबुरु बाघुत आदि देव देवी को थापना करते है। आदि देव बुड़ाबाबा, मड़पथान में लिंग पूजा होता है। किन्तु आजकाल शिव का काल्पनिक मूर्ति बनाकर मंदिर नाम दिया गया आर्य संस्कृति प्रभाव है।

"टुसुमनि" काटनी शेष होने पर बेटि माई के एक महिना के लिए आती है, और मकर संक्रान्ति ३० दिन के बाद बड़ी धुम–धाम से अपना ससुराल पानी में लीन हो जाती है।

पि० पी० कैसरियार
बड़ा जमुआ लोक संस्कृति
आखड़ा।

टुसु गीत

卐 धान काटल सिराइग साँइझे अघन साँकराइते
डिनि पूस साँकराइते हामर टुसु मनि ।
अघन साँकराइते सिरान साँइझे साजब डिनि
बिहाने हामर टुसु मनि आउति नहिअर ।।

卐 वछर दिन बादे आउले टुसु माइके मने करि गो ।
हामर टुसुक सेबा पुजा, जवा गेंदा फूले गो ।।

卐 बाँउड़ि बिहाने संगति सँगे टुसु जाई मकर सिनाने गो ।
संगि देखि टुसु चले, चकर देखि मकर सिनाने गो ।।

卐 पानिई हेलले पानिई खेलले पानिई हेलले,
पानिई खेलले पानिई तर कने आहोव ।
पानिइ हेलले पानिइ खेलले,
पानिई तर ससुर घार आहोव ।।

卐 एक सड़पे दुई सड़पे तिन सड़पे लकचले
हामर टुसु मइधे चलेइ बिना बासाते गा डलोई ।

卐 हेढे पाटा ऊपरे पाटा ताँहि बसल आहे दारोगा
छाड़ दारोगा सरिआई बसे टुसु जाति पुरुलिया ।

卐 पुरुइला जे गेले टुसु मकरदमाई किना हेलेव
तुरुइला जाइके टुसुक मकरदमाई जय हेलेक ।

卐 खेलाइचंडीक मेलाइ टुसु जाति हामर गो
राज बाड़िइ परब हेतेक, टुसु जाति चाँदे गो ।

卐 हामर टुसु फुलेक परि जनम रुपेक आलो गो
अकर दिगे मिछाई भालिस गा करबे आलो गो ।

卐 काशीपुरेक राजार घाटे गड पोछि लाल जले
अहे देखि आवइस काहे सिनान करके छले गो ।

卐 टुसु जाति बाजार बेड़ावए नोतन साड़ि पिंधि गो
पुरुलिआले आनलि टुसु डाला भरि मिठाई गो ।

卐 स्वाधीन भारते हामरा मिलब भाई सभेकर संगे ।
बिनोद डहरे चला सबाई गान्धी बानी राखि मने ।
बिनोद बाबुई कहेइ शान्ति पाउबेहे
भाई भारिवके आपनाउले ।।

卐 पुरुइला ले देखि आवलँ डालाँइ डालाँई दुधबाला
हामर टुसुक नाई गो छआ काके देतेक दुधबाला ।

卐 छआ छआ करिस टुसु छआ जे तर हेबथू निहि,
परेक छआ धरि पिटसिन छआक चानहा जानिस निहि,

卐 छआ जदि लेबे टुसु चाँले गो जाहिर थाने ।
जाहिर माँईके सेउरले हेतोउ गो बेटा छआ ।
बेटा छआ हेले टुसु सनाक छाता चड़हउअब गो
बेटी छआ हेले टुसु हँठुआ साजावअब गो ।।

卐 शिक्षाक आलो नेरवेक झाडखण्डे ओ मा तोरा ठुकबि भालो करे ।
ठुसमि गिरले चिनबो मा केसन करि ।
आँइख रहते काना हामरा दोस नि देबोउ तके ।
मने आहि तो धन निहि श्रद्धा करँ मने
ठाँई तोके माँ देइ पारँ एहे निरक्षरेक अन्तरे ।

□□□

बिदाई गीत

卐 तिरिस दिन रहले टुसु तिरिस सनझा पाउले गो ।
आरअ किना राखे पारबँ मकर हेलोव बादि गो ।।

卐 एतना बड़अ मकर परबे राखले माँ परेक घारे ।
मन केसन करेई, जेसन सोल माछे उफल मारेइ ।
बल मा हामर मन केसन करेइ हामर दुनयने लर झरेई
बल माँ हामर मन केसन करेई ।।

卐 तिरिस दिन रहले टुसु तिरिसटि फुल पावले गो ।
आरअ किना राखे पारबँ मकर हेलोव बादि गो ।।

आँधार

● पि० षो० केसरिआर

बापे कहेतेलाक बुढ़हा बापेउ कहेतेलाक
लुलुहा डुबा माड़ खाइके एक डांग बेराले बाहलाहे घर।
घामे भिजि जाई कांपि मानुष करिलहन, आंधार रहतेक निहि फझर हेतेक–
भगबानेक एहे रितिइँ चलेक संसार।
बाप चौद्ध पुरुषले कतेक दिन चलि गेलि, मेनतुक लकेक कतेत
लुगा काचलिअ, जुता पँछलिअ कतेक, गड़ लागलिअ, बहु बेटिक मुँह
देखि सभे सहलिअ, इदिन रहतेक निहि - एंहे आँधार
कतेक पुरुष काटलिअ
हामरा ताजमहल बनाउलिअ, हावड़ा बिरिज करलिअ,
मेंटरोले कतेक लग लक चलि गेला --
बिजलिक आलइँ कतेक लक कलकलाहात
हामरा देखलिअ हामराकर फुपड़िक चाइर
पासटाँइ आंधार आर आँधार --
हामराकर भिनसरिआ निहि गेल
एकदिन हामर आठारअ बछअरेक जुआन बेटाँइ कहलाक --
उठे फझर हेलेक आर चलेक कसटअ निहि –
कतेक मिछिल, कतेक मिटि देखलिअ,
सबाइ कहत आगुआइ चाला —
मेनतुक भुखल पेटे सुखल मुहे टाटाल आंइखे सारिसा फुल देखलिअ
कखन साइझ, कखन बिहान कनअ गि बुझलिअ
गटा दिन खाटि टोटा पासराइ रहिअ,
नुनिक मांजए माड़ देल, पानि देल
आधेक टुपाक, आधेक आँइखेक।
भाँगल फेड़कि फाँके चांदिक आलअ
छआटा घसड़ले जाइ धरेलाइ
तेल काहा आलअ जखे, गटा घारटाँइ आँधार आँधार॥

□□□

"अखरा"

● पि० पी० केसरिआर

अखरा मानुसेक लिसन कथा कहत
चलत घुरत खात दात
ठिक मानुसेक लिसन
अखराक मगजे बुद्धि आहेन,
तेइँ अखरा फाँद पातअहत
शिकार करा अखराक काम,
काहे न मानुस शिकारी अखरा ।
अखराक मॉन्ग भाइ भइयाद सभे आहेन
मेनेक केउ नाइखेक अखराक
सुधाइ स्वार्थ केवल निजेक धान्धा ।
अखरा धरमेक काथा कहत,
पन्डित हेइके गिआन सुनाअत
नेता साजिके सभेके धुरा देथिन
परेक माथाँइ काँठाल भाँगि खात ।
ताउ अखारा नेता
अखारा गाँवएक माथा
अखारा समाजेक करता
अखाराके नमस्कार ॥

"बरपन समाजेक दुशमन"

● श्रीमती करुणामयी केसरिआर

धारे डागर बेटा देबेइँ बिहा,
लाज किना ? पन पानिक काथाअँ
पड़हा लिखाँइ खारचा बिसुम,
टिउसन फिस किना कम ?

नहे केरिआ, साफा इजरअ,
देखो सुने सभे गुने भालअ।
एकर हँते लागतोउ नि कनअ
लेखा पड़हाँइ एम. ए. बि-एड 1

आपन खुसिइँ आलमारि सोफासेट,
आगुआ पेछुआके देबेइँ कहि।
जतने राखो आपने देता फिरिज।
रवजे नि हेति रंगिन टी० भि०
उटालअ अकर बेटिक :–
सना गहना देइ नि हेतेक साँगि,
खालि फुलेक माला चाहि,
दुखा बिपदे असमये लागतेइ काम,
ठाथिरहा मुड़े सँवि देखा।

जामाँई किना जातअ चलि कामे
हिरोहोनडा लागतेक एकर संगे।
बेटाक नामे किनलाहँ जमि,
नि बनाउलाइह कोठा घार।
बनाइ देतेक दालान घार,
हेतेक धार नितर देना,
ताहँ तअ बेटि हेतेक पार।
बरेक बापेक काथा सुनि - अनाइ
दसर जनाक कहना,
तर जदि हेथु पाँचटि नातिन,
आगु पेछु सँसना करबे किना ?

□□□

"झाड़खंड केशरी"

● पि० पी० केसरिआर

झाड़खंड केशरी बिनोद बिहारी,
मरिके अमर हेले धन्य बलीहारी ॥
कुड़मी जातीक गौरब, तोहे गड़ करी
ऐक छत्र अधिपत आपससीन संग्रामकारी ॥
बिनोद बिहारी झाड़खंडेक कांडारी ।
मन्दाकिनी गर्भै महेन्द्र तीर्थ जमम स्वार्थकारी ॥
झाड़खंड इतिहासे स्वर्णयुग रचनाकारी
सिधान्ते अटल अनड़ जेसन हीमगिरी ॥
निपिड़ीत शोषित दौलत जनेर मुक्ति दिशारी
माफिया दुशमन काँपि उठेइ थरहरी ॥
सग्रामे अपार कुरुक्षेत्रे गाण्डीव धारी
बांगला बिहार उड़ीसकर सबुज क्रान्तिकारी
शौर्य वीर्य दुरदंशी कठिक व्यत्तित्व के अधिकारी
स्थिर धीर समाजेक मंगलकारी ॥
आइने पारक कानुनेक लगामधारी,
उपैक्षित जनेर देलेक अधिकार काड़ही ॥
समाज सेबाँइ आगुवा शिवाजी समाज गठनकारी,
शिक्षाप्रेमे उदबुद शिक्षा प्रतिष्ठान गढ़ी ॥
राजनीतीते सबुज विप्लव मुक्ति गठनकारी
झाड़खंड मुलुके हुदकि उठलेक चिनगारी ।
बिनोद बिहारी झाड़खंडेक पुजारी
लाखों लाखों गड़ लागी अहे बाटे चले पारी ॥

"आखाइन जातरा"

● श्रीमती करुणामयी केसरिआर

माघेकर पहिला आखाइन कहाइक, चासारा कहिअ बछअरेकर पहिला।
आखाइन जातरा बड़अ जातरा, नेखेक एकर कनअ मातरा ॥
करला चासाँइ देखासुना, सुरु करला एबार हारा पुनहा।
फागुन महिना बड़इ रंगिना, फुटलेइक पलास आर फूल नाना ॥
ककिल ककिला कुहु कुहु कुहकला, बसन्तक बाउ हुल हुल बहेला।
सबाइ आउआ, नाचा आर गावआ, सिराइ जाहेक बसन्तअकर हावआ ॥
चैत मासे चड़क पुजा, छआ पुताँई करा पुजा।
शिबेक मुड़े बेलपात आर गाँजा,
केउ करअहत पुजा आर केउ लुटहत मजा।
बैशाक मासेक गरम हावआ, सबकाइ खजहत गाछेक छावआ।
जेठेक तेरँइ रगिँन धरा, सभेकाइ धान पुनहा करा ॥
चासाक हेलेन बिहनबुना, एबार मेघेकर आनागना।
आसाड़ेकर मेघमाला, भरि देलाक नदिनाला ॥
चासाक हेलेन सराबन मास, खेतेक कामे नेइखेक आवगास।
हेलेन एबार भादर मास, निकाउआ खेतेक घास ॥
दिहाक जदि फाँकि, तबे जाबेहे ठकि।
चासे लागावआ मन, पाउबेहे धान मनेक मतन।
खेते देखि भालअ धान कारतिक अघन,
नेखेक कनअ जातरा, आखाइन समान।
पुस मासे पुस पिठा, ताकर सँगे टुसुक लेठा ॥
बेटिछआक एहे रित, गटा पुस गाउता गित।
आखाइन जातरा बड़अ जातरा, एकर कनअ नेखेक मातरा ॥

"जय झाड़खंड"

● श्रीमती करुणामयी केसरिआर

झाड़खंडेग सभे जुआन,
जय झाड़खंड करा गान ।
झाड़खंड अलग राइज हेली,
हामर सँसकिरिति बाँचा चाहि ।
मान राखे निजेक हामर,
गढ़े हेति नउतोन डहर ।
चालअब गाड़ि पन करि, आपन निसान हाथे धरि।
चाहे जातेक जिउ जाउक, कथाई कम, कामे जबाब ।
बुझे पारलिअ हाड़े हाड़, राखब आपन बन झाड़।
तहरा नइहा डरकु छउआ, हामराइ रहब काहे पेछुआइ ?
जागले आहात सभेकाइ, जागाउएं हेति नि काकोउ।
लागिहा भायेक बिर छउआ, इतिहासे करि देखा टउआ ।
चासाय देता धान, गहम, मुनिसे करता कले काम ।
जुआनरा देखाउता बल, पडहुआ देता बुद्धि बल ।
झाड़खंड काकरअ नहेग, झाड़खांडि सभेकर लागेक ।
नेखोक हिँआ जाइत पॉइत, जहड़ा भाई सभेकाइ ।
बुद्धिमाने करहत बात,
दिनेइ देखाउहत राइत ।
तरा मिलिमिसि करा काम,
निजे चालाउआ आपन राइज ।
हेतेक देसेक भलाइ,
गोतेक ताले ताल चालाइ ।
झाड़खांडेक सभे जुआन,
जय झाड़खंड करा गान ।

□□□

"खाँटि माँई"

● श्रीमती करुणामयी केसरिआर

झाड़खंडेक माटि माञा
                    तएँ लागिस खाँटि माँइ।
हिन्दु, मुसलिम, खिरिसथान,
                    सभेकाकर तएँ माँइ ।
तरले उदार, सत आर महान
                    आर कनअ देसे नाई ।
हरेक जाइत, हरेक पाँईत,
                    आईह सानतिँई सभेकाई ।
हामर आहि एक डहर, एक मत,
                    देखि जात गटा जगतटाँई ।
ढुड़िके ना करिहा अशान्तिइँ,
                    हिन्दु मुसलिम, खिरिसतान भाई,
एकर ले भालअ डहर नाई ।
                    सभेकाई मिलिमिसि
हाँसिखुसि रहब भाई ।
                    निजेक धरम निजेक करम,
करा तरा सभेकाई ।
                    ना करिहान काकोउ हिंसा,
एकरले शान्ति काँहु नाई ।
                    आपन आपन करा काज,
काकरअ कनअ बाधा नाई ।
                    भारतेकर सभे देशले खाँटि,
एसनटा आर कनअ नाई ।
                    देश बिदेशले आवला जतेक,
देखि जात खाँटि माञा के ।
                    तएँ हेकिस खाँटि माञा,
स। छआले देलसिन ठाँई ।
                    तएँ लागिस खाँटि माञा,
मर आर कनअ कहेक नाई ।

*****

"भाई भाई"

● श्रीमती करुणामयी केसरिआर

हामरा सभेकाई,
                लागिअ एके भाई ।
ना करिहा – लड़ाई,
                तबेई रहति देशेश बड़ाई ।
देशेक लागी सभेकाई,
                निजेके देहाह बिलाई ।
आदिबासि हरिजन भाई,
                तरा लागिहा हामर भाई ।
मिलि मिसि सभेकाई,
                काम करि जांब देशेक लाई ।
किना आर करबन भाई,
                बुझि सुझि चला भाई ।
कुड़मी, कुम्हार, कईरि भाई,
                तराउ लागिहा निजेक भाई ।
सभेकाकर भारत माँई,
                नाम करता सभेकाई ।
हामर आर कनअ कहेक नाई,
                मिलिमिसि रहा भाई ॥

With best compliments from :-

JHARKHAND PUBLIC SCHOOL

Barajamua, Barwadda, Dhanbad

(Jharkhand)

(An Eng. Med. co-educational School)

Classes :— Nursery to Std. 5

(Based on C.B.S.E. pattern)

✆ 200831

With best compliments from :-

KIRAN ACADEMY

(An Eng. Med. Co-educational Residencial & Day com. School)

Barajamua, Barwadda

Dhanbad (Jharkhand)

Classes - Nursery to Std. 5

(Based on C.B.S.E. Pattern)

शुभ कामनाओं के साथ :-

विमल स्टुडियो

मोचन महतो मार्केट

टुण्डी रोड, बरवाअड्डा, धनबाद

(झारखण्ड)

सुन्दर एवं आकर्षक फोटो के लिए पधारे ।

With best compliments from :-

R. P. Mahato

(Zonal Club Member)

L. I. C.

Off : MPI, LODHNA

P. o. Lodhna, Dhanbad

Pin Code 828131

PH. :- 251729

With best compliments from :-

MANDAL ENTERPRISES

G. T. Road, Barwadda

D H A N B A D

(Jharkhand)

With best compliments from :-

R. K. Mandal

B. C. M.

LIFE INSURANCE INDIA

Barwadda (Dhanbad)

With best compliments from :-

M/s. Gorai Medical Hall

Mochan Mahato Complex

Tundi Road, Barwadda, Dhanbad

(Jharkhand)

✆ 206650

With best compliments from :-

S.T.D., I.S.D., P.C.O.

& LOCAL

Gopal ch. Mahato

JANKI COMPLEX

G. T. Road, Barajamua, Dhn.

With best compliments from:–

Quality Printers

Spl. in :- SCREEN PRINTING, LATTER PRESS, OFFSET PRINTING RUBBER STAMP, BINDING ETC

Tundi Road, Barwadda, Dhanbad (Jharkhand)

"बुझल"

● पि॰ पो॰ केसरिआर

(1) कादा घांटा रहल आड़िई बसिँ,
लाड़हा काटा मारलइ थासो।

(2) मिछा कहले बापें बिराल खाय,
सच कहले माएँ माईर खाय ।

(3) पोखोर गावाय भोगुवा पिंधा,
माछ छाँकय चालाक शियान,
काकरो भागें रुई कातला, काकरो इँचला पुंठि,
मय कहँ छिड़ा जाले जेटा बाझइक ओहे सही ।

With best compliments from -

इंडियन आॅयल

Bharat Service Station

I. O. C. PUMP

G. T. Road, Barwadda, P. O. – Kalyanpur

DHANBAD (JHARKHAND)

206565

मुद्रक :- क्वॉलिठी प्रिटर्स, टुण्डी रोड, बरवाअड्डा (धनबाद)